JESUS REDEEMS MINISTRIES

युवा जीवन

नवंबर 2023

यीशु को धोखा दिया और उससे मीलों दूर भाग गये ??
फिर भी, आप उसे बुला सकते हैं और

वह याद रखेगा !

प्रस्तावना

जॉन का पिता एक कोयला खदान में काम करता था।

कोयला खदान में काम शुरू करने से पहले वह हर दिन पास के छोटे चर्च में जाता था और प्रार्थना करता था। कई दिनों तक यह देखने के बाद, जॉन एक दिन अपनी माँ के पास गया और पूछा, "पिताजी क्या कर रहे हैं?" उसकी माँ ने कहा, "पिताजी यीशु से प्रार्थना कर रहे हैं। यदि तुम इसी प्रकार प्रार्थना करोगे तो प्रभु तुम्हारे साथ रहेंगे।" कई वर्ष बीत गए। जॉन के माता और पिता दोनों का निधन हो गया। जॉन तब अपने पिता की तरह कोयला खनिक के रूप में कार्यरत था। वह हर दिन उसी चर्च में जाता था और एक छोटी प्रार्थना करता था जो शुरू होती थी, "यीशु, मैं जॉन, आ गया हूं।"

एक दिन, कोयला खदान में काम करते समय, जॉन एक दुर्घटना का शिकार हो गया और उसे अस्पताल में आई.सी.यू. में भर्ती कराया गया। वह लेटा हुआ था, उसके पूरे शरीर पर भयानक चोट के कारण वह अपने हाथ और पैर हिलाने में असमर्थ था। उस स्थिति में भी, वह चिंतित था और कह रहा था, "ओह, मैं उस चर्च में नहीं जा सकता"।

एक दिन अचानक उसे महसूस हुआ कि कोई उसके आई.सी.यू. कमरे में आ रहा है। उसी समय, उसने एक आवाज़ सुनी, "जॉन, मैं, यीशु, आ गया हूँ।" जब जॉन ने वह आवाज़ सुनी तो वह खुश हो गया। ठीक उसी क्षण, यीशु ने उसे छुआ और उसे चंगा कर दिया।

मेरे प्यारे युवाओं! आपने प्रभु के लिए जो कुछ भी किया है उसे परमेश्वर नहीं भूलते। भले ही लोग आपको भूल जाएं, लेकिन वह आपको याद रखते हैं। आप उनसे संबंधित हैं क्योंकि उन्होंने आपको अपने खून से छुड़ाया है। कोई भी आपको उनके हाथ से नहीं छीन सकता।

आप उनकी संपत्ति हैं! उनका अधिकार हैं.!
संसार आपका तिरस्कार कर सकता है,
और आपके परिजन आपकी उपेक्षा कर सकते हैं।
परन्तु आप महिमा का मुकुट और प्रभु के हाथ में राजमुकुट हैं।

आप प्रभु के लिए बहुत मायने रखते हैं!
उनका कार्य आपकी प्रतिबद्धता की मांग करता है!
एक कार्यकर्ता बनें!

मसीह के मिशन में
अविनाश

यिप्तह

पिछले कुछ महीनों में “बाइबल के पात्र” शीर्षक के अधीन आप ओत्नीएल, एहूद, शमगर, दबोरा और गिदोन जैसे न्यायियों के बारे में पढ़ और जान रहे हैं। आइए इस महीने के न्यायी "यिप्तह" पर एक नज़र डालें। उसके बारे में न्यायियों अध्याय 11 और 12 में लिखा गया है।

परिचय

◂ 'यिप्तह' का अर्थ है "खोलना।" उसका जन्म गिलाद में एक वेश्या के द्वारा हुआ था।

◂ उसने इस्राएल के सातवें न्यायी के रूप में छह वर्षों तक कार्य किया।

◂ चूँकि उसकी माँ एक वेश्या थी, इसलिए उसके सौतेले भाइयों ने उसे विरासत में हिस्सा देने से इनकार कर दिया और उसे घर से निकाल दिया (न्यायियों 11:1-2)।

◂ इसलिए वह तोब देश में रहने लगा। उसकी एक बेटी थी और वह उनकी इकलौती संतान थी।

◂ लेकिन यह देखकर कि वह एक शक्तिशाली वीर था और सैन्य रणनीति में कुशल था, उसका परिवार लौट आया और उससे अनुरोध किया कि वह अम्मोन के लोगों के विरुद्ध लड़ने के लिए उनके सैनिकों का नेतृत्व करे।

विशिष्ट गुण

- उसे अपने सभी मामले परमेश्वर की उपस्थिति में कहने की आदत थी। (न्यायियों 11:11)
- वह अपनी बात का पक्का आदमी था। परमेश्वर के साथ की गई मन्नत के कारण, उसने अपनी एकलौती बेटी को कुंवारी रहने के लिए परमेश्वर को दे दिया। (न्यायियों 11:30-39)
- संघर्ष को समाप्त करने और शांति स्थापित करने के लिए, यिप्तह ने अम्मोनियों के राजा के पास दूत भेजे। (न्यायियों 11:14)
- वह विश्वास के योद्धाओं की सूची में शामिल है। (इब्रानियों 11:32)
- वह परमेश्वर की आत्मा की अगुआई में चलने को मान गया। (न्यायियों 11:29)
- यिप्तह गिदोन की तरह प्रभु का एक और शक्तिशाली औजार था।
- यिप्तह की प्रमुखता और उसकी जीत ने शाऊल के शासनकाल तक कई वर्षों तक अम्मोनियों के आक्रमण को रोके रखा।

कमजोरी

नतीजे की परवाह किए बिना यिप्तह की प्रतिज्ञा ने न केवल उसे बल्कि उसके परिवार को भी बड़े दुःख में डाल दिया। इस प्रकार, यिप्तह की बेटी की शादी नहीं हुई थी, और वह जीवन भर कुंवारी रही (न्यायियों 11:30-39)। इससे उनकी पीढ़ी का अंत हो गया।

उसने मेरा सिर ऊपर ऊँचा किया!

यह एक ऐसे भाई की गवाही है जो एक मसीही परिवार में पैदा हुआ था और मसीही परंपराओं में पला-बढ़ा था, लेकिन अपनी युवावस्था में नशे का आदी था, और स्कूल और समाज में उपेक्षित था। जब वह अकेलेपन का अनुभव कर रहा था, तब परमेश्वर ने अपने सेवक के माध्यम से उसके जीवन में हस्तक्षेप किया और परिणामस्वरूप, अब वह सभी बुरी आदतों से मुक्त है और उत्साहपूर्वक परमेश्वर की सेवा कर रहा है। आइए, उसके उन परिवर्तनों के बारे में पूछें जो उसने अनुभव किए।

क्या आप हमें अपने बचपन के बारे में बता सकते हैं?

मेरा नाम रोशन है। मेरा जन्म और पालन-पोषण वेल्लोर के एक मसीही परिवार में हुआ। मेरे पिता सी.एम.सी. में अटेंडेंट के रूप में काम करते हैं। मेरी माँ एक गृहिणी हैं। मेरा एक छोटा भाई बीए प्रथम वर्ष में पढ़ रहा है। हालाँकि मेरा जन्म एक मसीही परिवार में हुआ था, लेकिन मेरे माता-पिता के ज़ोर देने पर नियमित रूप से चर्च जाने के अलावा मुझे यीशु मसीह के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। भले ही मैं चर्च चला जाता, मैं आराधना सभा के अंत तक न रुकता था, पर मैं आधे समय में ही उठकर चला जाता था। मेरा प्रारंभिक जीवन ऐसा ही था।

खैर, हमें अपनी स्कूली शिक्षा और युवावस्था के बारे में बताएं।

जब मैं स्कूल में था, तो कुछ दोस्तों के साथ मिलकर मैंने कई बुरी आदतें अपनानी शुरू कर दीं। इसलिए, मैंने अपने माता-पिता का बहुत अपमान किया। जब मैं 9वीं कक्षा में पढ़ रहा था तब मुझे शराब और धूम्रपान जैसी आदतों की लत लग गई।

11वीं कक्षा में, मैं एक कदम आगे बढ़ गया और भांग जैसी नशीली दवाओं का आदी हो गया। भांग का उपयोग करते समय, मैं अति आनंदित महसूस करता था और मानने लगता था कि यही मेरी दुनिया है। एक दिन मेरे माता-पिता को पता चला कि मैं नशीली दवाओं का सेवन कर रहा हूं, और मेरी उनसे तीखी बहस हुई और मैंने अपनी मां पर हाथ उठाया। यह एक गंभीर समस्या बन गयी। परिणामस्वरूप, घर में अक्सर समस्याएँ विकसित होती रहीं।

ठीक है... समस्याएँ जारी रहीं... क्या आप स्कूल गए और ठीक से पढ़ाई की?

मैं आपको बता दूं... मुझे स्कूल से निकाल कर दिया गया था। मेरे माता-पिता भी मुझे स्कूल भेजना पसंद नहीं करते थे। मेरे माता-पिता ने मुझे मेरे निकटतम परिवार के बाहर किसी से भी बात करने या मिलने-जुलने से मना किया था। ऐसे में मुझे अकेलापन महसूस होने लगा। मेरे माता-पिता ने मुझे कर्नाटक के एक बोर्डिंग संस्थान में तीन साल के डिप्लोमा कार्यक्रम में डाल दिया क्योंकि उन्होंने मान लिया था कि मैं अपने पुराने दोस्तों के साथ दोस्ती फिर से बनाऊंगा और बदलूंगा नहीं।

शानदार! इसका मतलब है कि आपने अपनी कॉलेज की पढ़ाई भी जारी रखी होगी और अपनी बुरी आदतों से भी छुटकारा पा लिया होगा। यही है ना?

नहीं! कॉलेज के पहले ही दिन मेरी मुलाकात एक नए दोस्त से हुई जो मेरी तरह नशे का आदी था। मैं बहुत खुश था कि मैंने केवल इसके लिए कॉलेज जाने का फैसला किया। वहाँ मेरी बुरी आदतें भी बढ़ती जा रही थीं। एक दिन, जब मैं नशे में था और एक वीडियो देख रहा था, तो मेरे और मेरे उस दोस्त के बीच झगड़ा हो गया और हम एक-दूसरे को मारने लगे। जब यह बात कॉलेज प्रबंधन को पता चली तो उन्होंने मुझे सस्पेंड कर घर भेज दिया।

ओह, नहीं... एक और जगह से निलंबन! क्या उसके बाद आपके जीवन में कुछ बदलाव आया?

निलंबन के बाद मुझे कॉलेज से वापस आते देख मेरी माँ बहुत रोईं। उसने रोते हुए कहा, 'वह यहां रहते हुए भी ऐसा कर रहा था, इसलिए मैंने उसे यह विश्वास दिलाकर वहां भेजा कि वह बदल जाएगा, लेकिन फिर भी वह वहां वैसा ही कर रहा है।' जब वह रोती तो मुझे बहुत बुरा लगता। एक दिन जब मैं घर पर अकेला था तो सोचने लगा, "मैं ऐसा क्यों हूं? इस वजह से अक्सर कई समस्याएं पैदा होती रहती हैं।" उस स्थिति में, मेरी माँ मुझसे हर दिन प्रार्थना करवाती थी। इसके अलावा, उस समय तक, "जेबीकालम वंगा" कार्यक्रम शुरू हो गया था। हम इसे एक परिवार के रूप में बैठकर देखते थे।

एक दिन मैं यह कार्यक्रम देख रहा था और खाना खा रहा था तो मोहन अंकल बोले, "तुम मुसीबत में हो। तुम्हारा दिल टूट गया है।" तब मुझे लगा कि परमेश्वर की उपस्थिति मुझ पर उतर रही है। मेरी आँखों से आँसू बह निकले। मैं पंद्रह मिनट तक पागलों की तरह सिसकता रहा। तुरंत मेरी माँ आईं और बोलीं, "परमेश्वर तुम्हारे साथ हैं। वह तुम्हें छू रहे हैं; तुम इन घृणित आदतों से बाहर आ जाओगे; वे तुम्हें जल्द ही कॉलेज वापस बुला लेंगे।"

बहुत खूब!! यीशु ने आपको स्पर्श किया। क्या आपने अपना कॉलेज जारी रखा?

मैं नियमित आधार पर वह जेबीकालम वंगा कार्यक्रम सुनता रहा। अंततः लॉकडाउन के दौरान लगाई गई सीमाओं में ढील दी गई।

उन्होंने मुझे कॉलेज में बुलाया। जब मैं तीसरे वर्ष में था तब मुझे निलंबित कर दिया गया था। उन्होंने मुझे 20,000 रुपये का जुर्माना भरके मेरी शिक्षा जारी रखने या कॉलेज छोड़ने का प्रमाणपत्र लेने का विकल्प दिया। मैंने जुर्माना भर दिया और अपनी शिक्षा जारी रखी। परमेश्वर की कृपा से, मैं अपना तीन साल का डिप्लोमा पूरा करने में सक्षम हो गया। उसके बाद, मैंने कुछ समय तक एक्स-रे तकनीशियन के रूप में काम किया।

बहुत बढ़िया! आपने अपनी पढ़ाई जारी रखी। उसके बाद क्या आपको नशीली दवाओं में कोई रुचि पैदा हुई?

नहीं! उसके बाद अब तक मैं ड्रग्स या सिगरेट की ओर आकर्षित नहीं हुआ। परमेश्वर ने मुझे पूरी तरह से मुक्त कर दिया। मसीह को स्वीकार करने के बाद, मैंने और अधिक प्रार्थना करना शुरू कर दिया। मैं फिर वेल्लोर गया। परमेश्वर मुझे उसी स्थान पर वापस लाये, मेरा सिर ऊँचा किया जहां मुझे अपमानित किया गया और निकाला गया था और परमेश्वर ने मुझे एक अच्छी प्रार्थना संगति दी।

आश्चर्यजनक...! आप परमेश्वर के लिए क्या कर रहे हैं, जिसने आपका अपमान होने पर अपना सिर ऊँचा किया?

अपने कुछ दोस्तों के साथ, मैंने प्रचार करना शुरू किया। जब मैं एक्स-रे तकनीशियन था, तो मैं मरीजों को यीशु के बारे में बताता था और सुसमाचार पत्रिकाएँ बांटता था। जैसे एक वचन यूँ कहता है, "पुरानी बातें बीत गई हैं; देखो, सभी नई हो गई हैं", प्रभु मुझे एक नए जीवन में ले जा रहे हैं और मुझे उत्साह के साथ अपना प्रचार कार्य करने के लिए उपयोग कर रहे हैं। मैं सुसमाचार साझा करने के लिए मिलने वाले हर अवसर का उपयोग कर रहा हूं। फिलहाल मैं एक छोटी सी नौकरी कर रहा हूं और परमेश्वर की सेवा भी कर रहा हूं।

आप युवाओं से क्या कहना चाहेंगे?

आजकल बहुत से युवा सांसारिक कार्यों और व्यर्थ कार्यों में अपना जीवन बर्बाद कर रहे हैं। लेकिन जैसे-जैसे हम मसीह के ज्ञान में बढ़ते हैं, वह हमें सभी पापों से मुक्त करेंगे और अपनी सच्चाई व अनंतता में हमारी अगुआई करेंगे। युवावस्था जीवन का एक महत्वपूर्ण समय है। एक बार जब हम उन दिनों को खो देते हैं तो उन्हें वापस पाना काफी मुश्किल होता है।

जब आप मसीह को जानते हैं और अपनी युवावस्था में उनके शब्दों के अनुसार जीवन जीते हैं, तो प्रभु आपको पवित्र करेंगे और आपको सभी प्रकार की आशीषें देंगे।

बाइबल कहती है, "अपनी जवानी के दिनों में अपने सृजनहार को स्मरण रखो"। अपनी युवावस्था में प्रभु की तलाश करें। प्रभु में आपका आनंद कभी कम नहीं होगा।

प्रिय युवाओं! इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप किस पापी आदतों के गुलाम हैं, यीशु आपको उन सभी से मुक्त करेंगे और आपको भाई रोशन जैसे कई लोगों के लिए गवाह के रूप में स्थापित करेंगे!

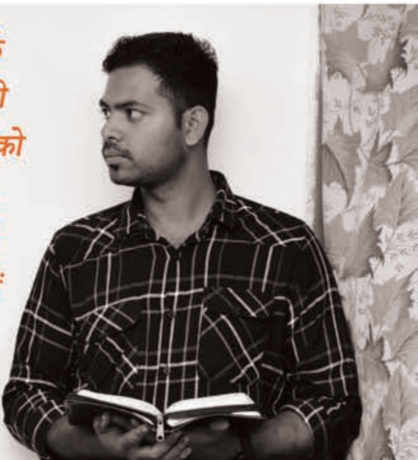

यदि आप संघर्ष जारी रखते हैं तो सफलता सुनिश्चित है!

युवा उपलब्धि हासिल करने वालों को हार्दिक शुभकामनाएं! जीवन का सफर हर किसी के लिए अनमोल है। लेकिन जीवन के इस सफर पर चलने वाला हर व्यक्ति विजेता नहीं बनता। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपके रास्ते में कितनी असफलताएँ और निराशाएँ आती हैं, केवल वही लोग सफल बन सकते हैं जो उन्हें सफलता की सीढ़ी में बदल देते हैं। यहां ऐसे ही एक सफल व्यक्ति की जीवन यात्रा है।

दीप कालरा का युवावस्था में पढ़ाई पर पूरा ध्यान था और कॉलेज की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्हें अच्छे वेतन पैकेज पर एक बैंकिंग फर्म में नौकरी मिल गई। अच्छी तनख्वाह पाने के उत्साह में उन्होंने तीन साल गुजार दिए। बाद में उन्हें एहसास हुआ कि बैंकिंग उनके लिए सही करियर नहीं है। दीप कालरा अपने मन की संतुष्टी तक एक चुनौतीपूर्ण और जुनूनी काम करना चाहते थे।

वह सबसे पहले एक अमेरिकी कंपनी से जुड़े। कुछ दिनों के बाद उन्होंने फैसला किया कि यह उनके लिए सही नौकरी नहीं है और उन्होंने यह नौकरी भी छोड़ दी। फिर दीप का अगला निशाना अमेरिकी कंपनी जी.ई. कैपिटल थी। इस नौकरी में दीप कालरा ने यह तय कर लिया कि इंटरनेट यानी ऑनलाइन एक बड़ी क्रांति लाने जा रहा है।

यह महसूस करते हुए कि अगर उनका व्यवसाय भी ऑनलाइन आधारित होता तो यह उनके जीवन में एक बड़ा बदलाव लाएगा, उन्होंने जी.ई. कैपिटल कंपनी से भी इस्तीफा दे दिया। उन्होंने पूर्णकालिक आधार पर अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने का फैसला किया।

व्यवसाय शुरू करने के लिए सभी क्षेत्रों की खोज करते हुए, दीप के दिमाग में पर्यटन उद्योग आया। यह देखते हुए कि भारतीय लोग अपनी यात्रा के लिए टिकट पाने के लिए टिकट काउंटरों पर घंटों बिताते हैं, दीप ने इस लंबे इंतजार को हल करने और लोगों की रोमांचक यात्रा को आसान बनाने के लिए एक वेबसाइट आरंभ करने का फैसला किया। एक कंपनी की फंडिंग से उन्होंने अपने दोस्तों को जोड़ा और एक वेबसाइट शुरू की। उन्होंने अपनी वेबसाइट का नाम "मेक.माई.ट्रिप" रखा।

पहले दो सालों में मेक.माई.ट्रिप ने कोई खास मुनाफा नहीं दिया। कोई भी पुनर्निवेश के लिए आगे नहीं आया। कंपनी की हालत बहुत ख़राब होती जा रही थी। लेकिन दीप डटे रहे और कंपनी को संतुलित स्थिति में ले आए। जैसे-जैसे दिन बीतते गए, कंपनी की विफलता दूर होती गई और ऊपर जाने लगी।

कुछ ही वर्षों में, इसके 2,00,000 ग्राहक बन गए और इसने भारी आमदनी अर्जित करना शुरू कर दिया। यह वेबसाइट यात्रा करने वाले सभी लोगों का एक मित्र बन गई। इन वर्षों में दीप ने ऊंची उड़ान भरना शुरू कर दिया। आज वह एक सफल राह पर सफर कर रहे हैं।

मेरे प्यारे नौजवानो! हमारा लक्ष्य सदैव विकास का पथ होना चाहिए। संघर्षों के बावजूद हमें अपने लक्ष्य से पीछे नहीं हटना चाहिए। यदि आप लगातार संघर्ष करते हैं, तो आपका जीवन दूसरों के लिए सफलता का मार्गदर्शक बन जाएगा।

उलझन क्यों?

Heart Beat

मैं 17 साल का हूँ, 12वीं कक्षा में पढ़ रहा हूँ।

हमारे घर में धार्मिक उत्साह की कोई कमी नहीं है। वहां हमेशा प्रार्थना और पवित्रशास्त्र का पाठ होता रहता है। मैं प्रभु के लिए उत्साहपूर्वक जीने की इच्छा रखता हूं। हालाँकि, ऐसे उदाहरण हैं जब मैं अपने फोन का उपयोग करने या वीडियो गेम खेलने में समय बर्बाद करता हूं। एक बार मेरे दोस्त ने मुझे अपने मोबाइल पर कुछ वीडियो दिखाए। मैंने उन्हें देखने से मना कर दिया क्योंकि वो गलत और अश्लील फिल्में थीं। लेकिन उसके बाद जब मैं अकेला था तो वो ग़लत दृश्य मन में आते रहे और उन्हें दोबारा देखने की चाहत और इच्छा होती रही। पवित्र जीवन जीने की मेरी इच्छा के बावजूद, इन बातों ने मेरे मन पर बहुत प्रभाव डाला, और मैं बिना ज्ञान के लड़खड़ाने लगा। मैं, जो पिछले तीन महीनों से अश्लील फिल्में देख रहा हूं, इसे छोड़ने का मन नहीं कर रहा है।

एक तरफ तो मुझे ऐसा लग रहा है जैसे कोई मेरे कानों और दिल में कह रहा हो, "तुम जो कर रहे हो वो पाप है, ये ग़लत है, छोड़ दो।" दूसरी ओर, दोषी विवेक मुझसे यह कहते हुए निंदा करता है, 'तुम पापी हो, भ्रष्ट व्यक्ति हो।' कभी-कभी मेरे मन में ख्याल आता है कि मोबाइल पर इसे देखना गलत है। लेकिन अनजाने में मैं अपना मोबाइल उठाता हूं और वो अश्लील वीडियो देखने लगता हूं। इस वजह से मैं ठीक से पढ़ाई नहीं कर पा रहा हूं. ' मैं सभी विषयों में फेल हो गया हूँ और मेरा भविष्य अंधकारमय दिख रहा है। मेरे माता-पिता कहते हैं, 'तुम्हें पढ़ाई छोड़ देनी चाहिए और खेती करनी चाहिए।' मुझे नहीं पता क्या करना है। मेरी इच्छा है कि मैं पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन करूं और एक कंप्यूटर सॉफ्टवेयर इंजीनियर बनूं। लेकिन ऐसा लगता है कि मैं एक न बदले जाने वाली लत में फंस गया हूं। क्या यीशु मुझे माफ कर देंगे?

- केविन, विल्लुपुरम

भाई केविन! मैं आपकी चिंता समझता हूं. जो वीडियो आपने गलती से देख लिया वो आज एक त्रासदी में बदल गया है। आज आपके जैसे कई युवा इस पाप में फंसे हुए हैं और इससे बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। वे फँसी हुई मछली की तरह संघर्ष कर रहे हैं। वे समस्याओं के एक दुष्ट चक्र में फंस जाते हैं जिससे वे बच नहीं पाते।

लेकिन केविन! आप निश्चित रूप से बर्बादी के इस गड्ढे से बाहर निकल सकते हैं। लेकिन इसके लिए दृढ़ निश्चय और निरंतर प्रयास की आवश्यकता है।

सबसे पहले, आपको “इस बुरी आदत से बाहर निकलने” की इच्छा होनी चाहिए।

क्योंकि यह लत न केवल आपके मानसिक शांति को प्रभावित करेगी, बल्कि यह आपकी क्षमताओं और कौशल को भी प्रभावित करेगी और आपको अपाहिज बना देगी। इससे आपकी पढ़ाई पर असर पड़ता है। बहुत से लोग कहते हैं "मैं इस आदत से आसानी से छुटकारा पा सकता हूँ"। परन्तु यह पापपूर्ण दासता एक फंदा है जो लोगों को असहाय बना देता है।

अजगर हिरण को न तो गिरा सकता है और न ही निगल सकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि अजगर की गति हिरण की गति की तुलना में कुछ भी नहीं है। हालांकि, अगर अजगर हिरण का पैर पकड़ ले, तो ऐसी संभावना हो जाती है।

कारण यह है कि अजगर जिस भी जानवर पर हमला करता है, उसे पकड़ने के बाद वह तेजी से जानवर को घेरने और उसकी हड्डियां तोड़ने की क्षमता रखता है। इसके बाद उसका दम घुट जाता है और वह अपने छोटे से मुंह को चौड़ा करके जानवर को जिंदा निगलना शुरू कर देता है। यह पापमय आदत भी अजगर के समान है; यदि यह हमें पकड़ लेती है, तो यह हमें तब तक नहीं छुटने देगी जब तक कि यह हमें पूरी तरह से घेर न ले।

अगर आप इस पापी पकड़ से बाहर निकलना चाहते हैं तो आपको सबसे पहले अपने और अपने मोबाइल के लिए कुछ नियम तय करने होंगे।

ठोस लक्ष्य निर्धारित करें जैसे, "मैं रात 9:00 बजे अपना मोबाइल बंद कर दूंगा

मैं रात 9:00 बजे के बाद अपने फोन का उपयोग नहीं करूंगा, भले ही यह शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए ही क्यों न हो।

मैं व्हाट्सएप, फेसबुक या इंस्टाग्राम पर अनचाही वीडियो नहीं देखूंगा।"

गूगल सेटिंग में सुरक्षित ब्राउज़िंग और सुरक्षित खोज सक्षम करूंगा। यह आपको अनुपयुक्त वेबसाइटों पर जाने से रोकेगा।

कुछ अनचाही अज्ञात (तीसरी-पार्टी की) ऐप्स हटाऊंगा।

हर कीमत पर अकेले रहने से बचुँगा।

मोबाइल सेटिंग में डिजिटल वेल-बीइंग चालू करूंगा और सभी ऐप्स के लिए समय सीमा निर्धारित करूंगा। इसलिए इसका ज्यादा इस्तेमाल करने का मौका नहीं होगा।

जब आप स्वयं को इस प्रकार अनुशासित करते हैं, तो आप अपने विचारों और हृदय को बेदाग रख सकते हैं। आप अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं और आईटी सॉफ्टवेयर इंजीनियर बनने के अपने सपने को प्राप्त कर सकते हैं।
शैतान उन लोगों को पाप करने के लिए प्रलोभित करता है जो आत्मिक रूप से थक चुके हैं। युवा व्यक्ति जो प्रभु के लिए उत्साहपूर्वक जीना चाहते हैं, उन्हें अक्सर शैतान द्वारा प्रलोभित किया जाता है।

इसलिए केविन, प्रार्थना करें, "यीशु, मेरे पापों को क्षमा करें, मुझे पवित्र बनाएं, और मुझे दोबारा पाप करने से रोके।" हर सुबह जब आप प्रभु की स्तुति करते हैं, बाइबल पढ़ते हैं और प्रार्थना करते हैं, तो अपने आप को पवित्र आत्मा की अगुआई के प्रति समर्पित करें और प्रार्थना करें। आपको बड़ा परिवर्तन और सफलता देखने को मिल सकती है।

जब आपको अनावश्यक रूप से फोन उठाने की आवश्यकता महसूस हो तो पवित्रशास्त्र पढ़ने का प्रयास करें। जैसे ही आप पवित्रशास्त्र पढ़ेंगे, परमेश्वर का वचन आपके दिमाग पर कब्ज़ा कर लेगा और आपके दिल में शांति और पवित्र जीवन जीने की इच्छा देगा।

जैसा कि पौलुस कहते हैं, "हे मेरे बालकों, जब तक तुम में मसीह का रूप न बन जाए, तब तक मैं तुम्हारे लिये फिर जच्चा के समान पीड़ाएँ सहता हूँ।" (गलातियों 4:19), परमेश्वर चाहते हैं कि हम यीशु मसीह की तरह पवित्र जीवन जीएं और पुराने मनुष्यत्व की छवि को बदल दें और मसीह के स्वरूप में ढल जाएं।

इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि दुश्मन हमें कितनी बार हराने की कोशिश करता है, प्रभु हमें सशक्त बनाएंगे और हमें विजयी बनाएंगे। प्रार्थना करें और अमल करें!!

वह स्मरण करेगा!

हमारे जीवन की कुछ घटनाएँ हमारी याददाशत में बहुत लंबे समय तक बनी रहती हैं। हालाँकि, कुछ चीज़ें ऐसी होती हैं जिन्हें हम जल्दी भूल जाते हैं। यह तो मानना ही पड़ेगा कि आज की तेजी से आगे बढ़ती तकनीक का इंसान की याददाश्त पर असर बढ़ रहा है। मोबाइल फ़ोन के आविष्कार से पहले, लोग हर व्यक्ति के लैंडलाइन नंबर को रट कर याद कर सकते थे; आज, उन्हें उन दस लोगों के फ़ोन नंबर भी याद नहीं हैं जो उनके बहुत करीब हैं।

इस मशीनी जगत में, माता-पिता कभी-कभी अपने बच्चों को भूल जाते हैं, और इसके विपरीत भी होता है। यही मानव प्रगति की दर है। परन्तु प्रभु, जिसने सब कुछ बनाया, वह निरन्तर हमारा ध्यान रखता है। इस समकालीन जगत में, दोस्त, करीबी परिवार के सदस्य और यहां तक कि आपके माता-पिता भी आपको भूल सकते हैं, लेकिन प्रभु यीशु मसीह हमें कभी नहीं भूलेंगे।

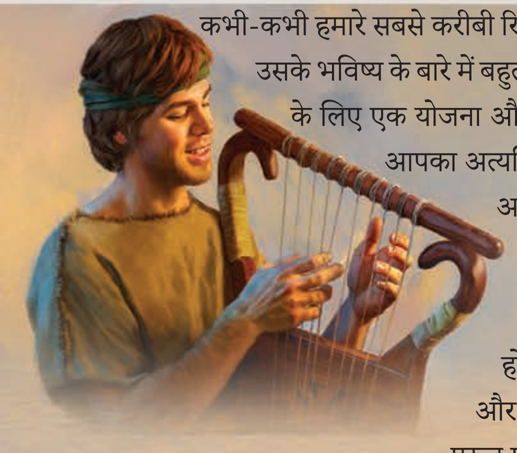

कभी-कभी हमारे सबसे करीबी रिश्तेदार भी हमें भूल जाते हैं। शायद दाऊद के माता-पिता और भाई-बहनों के पास उसके भविष्य के बारे में बहुत सारी योजनाएँ नहीं था या परवाह नहीं थीं। हालाँकि, प्रभु के पास दाऊद के भविष्य के लिए एक योजना और उद्देश्य था। हमारे जगत में बहुत से लोग आपको केवल तभी याद करते हैं जब आपका अत्यधिक सम्मान किया जाता है। शमूएल की नज़र में जिसे प्रभु ने इस्राएल के राजा का अभिषेक करने के लिए भेजा था, दाऊद के भाई ही राजा प्रतीत होते थे।

परन्तु यहोवा ने दाऊद को इस्राएल के राजा के रूप में स्मरण किया, जिसे सब ने तुच्छ जाना। याद रखें कि जब आप संघर्ष कर रहे होते हैं, तो प्रभु ही वह व्यक्ति होता है जो आपको याद करता है और आपकी परवाह करता है। जब समस्याएँ, संघर्ष और ज़रूरतें हमारे जीवन में आती हैं, तो हमारे आस-पास के लोग हमें भूल जाते हैं। परन्तु प्रभु हमें कभी नहीं भूलते। इसीलिए वह कहता है, "क्या यह हो सकता है कि कोई माता अपने दूध पीते बच्चे को भूल जाए और अपने जन्माए हुए लड़के पर दया न करे? हाँ, वह तो भूल सकती है, परन्तु मैं तुझे नहीं भूल सकता" (यशायाह 49:15)।

कई बार दुख होता है जब हमसे लाभ पाए वाले लोग हमारे बारे में भूल जाते हैं। यूसुफ को फिरौन के सरदारों पर, जो बन्दीगृह में थे, निगरानी करने का काम सौंपा गया। यूसुफ ने उन दोनों के स्वप्न के कारण उनके उदास चेहरे देखकर, पूछताछ करके उस स्वप्न का अर्थ समझाया। तब यूसुफ ने प्रधान पिलानेहारे से बिनती की, "अतः जब तेरा भला हो जाए तब मुझे स्मरण करना, और

मुझ पर कृपा करके फ़िरौन से मेरी चर्चा चलाना, और इस घर से मुझे छुड़वा देना।" (उत्पत्ति 40:14)। यूसुफ सोच रहा था कि प्रधान पिलानेहारे उसके अच्छे कामों को याद रखेगा और उसे किसी भी तरह जेल से रिहा कर देगा। परन्तु जो वास्तव में हुआ वह यह था, "फिर भी पिलानेहारों के प्रधान ने यूसुफ को स्मरण न रखा; परन्तु उसे भूल गया" (उत्पत्ति 40:23)।

भले ही दुनिया और लोग हमें भूल जाएं, परमेश्वर, जो कोई पक्षपात नहीं करते, उन सभी को याद रखेंगे जो वास्तव में उन्हें खोजते हैं। दो वर्ष के बाद प्रभु ने यूसुफ की याद करके फिरौन को सोने न दिया और यूसुफ को उसी प्रधान पिलानेहारे के द्वारा, जो उसे भूल गया था, मिस्र के महल में ले गया। इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ता कि आप स्वयं को किस परिस्थिति में पाते हैं, भयभीत न हों!

यह कभी न भूलें कि आपके पास एक प्रभु है जो आपकी परवाह करता है और आपको आशीष देता है। इन वचनों के अनुसार "यहोवा ने हमको स्मरण किया है; वह आशीष देगा" (भजन संहिता 115:12), जिस परमेश्वर ने यूसुफ को स्मरण किया, वह आपको भी स्मरण करेगा।

मेरे प्यारे युवाओं! आपके परिजन जो कहते हैं कि मैं आपको कभी नहीं भूलूंगा, वे कुछ परिस्थितियों में आपको भूल सकते हैं। परन्तु स्मरण रखें कि प्रभु यीशु मसीह वह परमेश्वर हैं जो आपको कभी नहीं भूलेंगे। क्या आप भी दाऊद और यूसुफ की तरह दुनिया के द्वारा उपेक्षित और भुला दिए गए हैं? चिंता मत करें! प्रभु जो कहते हैं, "मैं तुझे न भूलूंगा" (यशायाह 44:21) वह आपको न भूलेंगे, और आपको आशीष देंगे और ऊंचा उठाएंगे।

राष्ट्र के लिए प्रार्थना करें...
'यीशु छुड़ाता है'

विश्व जागृति प्रार्थना भवन

Our Branches

दिल्ली
152, Pratap Nagar,
Near Hari Nagar Bus Depot,
New Delhi – 110 064.
Ph: 011-25616253 / 35580428.
कार्यालय समयः प्रातः 9:00 बजे से सायं 5:30 बजे तक

राँची
Kadru Sarna Toli,
Near Argora Railway Station
Road no -1, Doranda P.o.
Ranchi - 834002, Jharkhand
Ph: 0952 333 6010
कार्यालय समयः प्रातः 9:30 बजे से सायं 5:00 बजे तक

मुम्बई-धारावी
नं: टी/1, ब्लॉक 11,
90 फीट रोड़, राजीव गाँधी नगर,
धारावी मुम्बई - 400 017.
Ph: 80824 10410
कार्यालय समयः प्रातः 9:00 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक

ज़रिकपुर-पंजाब
SCF 19, 1st Floor,
Dhakoli Kalka Road, NH - 22, Near city court
Shopping Complex, ज़रिकपुर-पंजाब.
Ph: 94177 26492
कार्यालय समयः प्रातः 9:30 बजे से सायं 5:00 बजे तक

Spread the REVIVAL fire

मुम्बई-Malad
'Bethel', Plot 305/E mith chowkly
Marve Road, Malad (W), Mumbai - 400064.
Ph: 96640 50567
कार्यालय समयः प्रातः 9:00 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक

आवश्यकताओं की आपूर्ति की जाएगी!

"और मेरा परमेश्वर भी अपने उस धन के अनुसार जो महिमा सहित मसीह यीशु में है तुम्हारी हर एक घटी को पूरी करेगा" (फिलिप्पियों 4:19)। आज, प्रभु यीशु मसीह आपके जीवन की सभी जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार हैं। जिस तरह यीशु मसीह काना में शादी में उपस्थित थे और शादी में जरूरतों को पूरा किया, वह आज आपकी सभी जरूरतों को पूरा करने और आपको आशीष देने के लिए आपके साथ खड़े हैं। अपनी ज़रूरतें पूरी करने के लिए, आपको कुछ कार्य करने की ज़रूरत है...

अपनी कमियों को स्वीकार करें।

काना में शादी में परिवार के सदस्य उस समय चिंतित हो गए जब उनकी दाखरस खत्म हो गई और उन्होंने पूछा, "हम अपने मेहमानों को दाखरस कैसे परोस सकते हैं?" परिवार ने समस्या को अपने तक ही सीमित नहीं रखा और शादी में उनकी दाखरस की कमी की खबर पूरे घर में फैल गई। तभी यह खबर वहां मौजूद यीशु मसीह के कानों तक पहुंची और वह चमत्कार हो गया।

अगर वे अपनी कमी को अपने अंदर छिपाये रखते तो वहां चमत्कार नहीं हो पाता। बहुत से लोग ऐसे होते हैं जिन्हें पता ही नहीं चलता कि उनके अंदर बहुत सारे दोष हैं, लेकिन वे पवित्र न होकर खुद को संत जैसे दिखाते हैं; शांति का दिखावा करते हैं जबकि वास्तव में उनमें शांति नहीं होती; एकजुट होने का दिखावा करते हैं भले ही वे दूसरों के साथ अच्छे संबंध नहीं रखते; वे कई समस्याओं, बोझों, बीमारियों, जरूरतों से गुजरते हैं, लेकिन सोचते हैं कि वे हर बात में सिद्ध हैं और उन्हें अपनी कमी का एहसास नहीं होता है और ऐसा व्यवहार करते हैं जैसे कि वे बेहद आशीषित हैं। इस वजह से, कई लोग प्रभु के आशीष से वंचित हो रहे हैं। इसलिए अपनी कमी को स्वीकार करें। आपकी जो भी कमियां हैं, अगर आपको उनका एहसास हो जाए तो आज ही आपके जीवन में चमत्कार होने लगेंगे।

यीशु को अपनी ज़रूरतें बताएं!

काना में शादी में, जब उनकी दाखरस खत्म हो गई, तो यीशु की मां मरियम ने यीशु से समस्या के बारे में बात करते हुए कहा, "उनकी दाखरस खत्म हो गई है" (यूहन्ना 2:3)। यह वह शब्द थे जिसने प्रभु यीशु मसीह को वहां चमत्कार करने के लिए प्रेरित किया। यदि वह कमी उनके सामने नहीं लाई गई होती, तो चमत्कार

नहीं हुआ होता, क्योंकि यीशु मसीह ही एकमात्र ऐसे हैं जिनके पास आपकी सभी जरूरतों को पूरा करने की शक्ति है। जब यह समस्या सर्वशक्तिमान प्रभु यीशु मसीह के पास लाई गई तो उन्होंने उस कमी को पूरा किया और वहां मौजूद सभी लोगों को खुश कर दिया।

आज हम ऐसे कई लोगों को देखते हैं जो अपनी समस्याओं और कमियों को अपने दोस्तों और पड़ोसियों के साथ साझा करते हैं और उस पर रोते और शोक मनाते हैं। अपनी कमियों को साझा करने के लिए यीशु मसीह से बेहतर कोई नहीं है। क्योंकि वह एकमात्र व्यक्ति है जो वास्तव में आपके बारे में चिंतित है।

वही आपकी परवाह करते हैं (1 पतरस 5:7)। वह वही हैं जो आपसे प्रेम करता है (1 यूहन्ना 4-19)। उन्होंने आपके लिये अपना प्राण दे दिया (रोमियों 5:8)। इसलिए आपकी जो भी कमियाँ या आंतरिक बोझ हों, साहसपूर्वक परमेश्वर के पास जाएँ और उन्हें बताएं। वह आपको कभी गलत नहीं समझेंगे।

जक्कई ने अपने पापों को यीशु मसीह से नहीं छिपाया और उन्हें सब कुछ बता दिया (लूका 19:8)। इसीलिए उसका पूरा परिवार बच गया। मूसा ने अपनी कमजोरियों को स्वीकार किया और कहा, "मैं तो मुँह और जीभ का भद्दा हूँ" (निर्गमन 4:10)। परन्तु फिर भी, परमेश्वर ने उसे चुना और उसका सामर्थी उपयोग किया। हन्ना बहुत परेशान थी और उसने प्रार्थना में अपना हृदय परमेश्वर के सामने उंडेल दिया (1 शमूएल 1:15)।

तभी तो वह निश्चिंत होकर घर जा सकी। इसी तरह, आपके लिए अपने पापों, अपनी कमियों और अपनी जरूरतों को साझा करने का सही स्थान केवल प्रभु की उपस्थिति में है। उनसे कुछ भी मत छिपाएं। अपनी स्थिति वैसी ही उनके साथ साझा करें जैसी वह स्थिति है। आप अपने जीवन में प्रभु यीशु मसीह की चमत्कारी शक्ति को महसूस कर सकते हैं।

जैसा यीशु आपसे करने को कहते हैं वैसा करें!

काना में विवाह के समय यीशु की माता मरियम यीशु मसीह के पास आई और उन्हें दाखरस की कमी के बारे में बताया। फिर उसने सेवकों से कहा, "जैसा वह (यीशु) तुमसे करने को कहता है वैसा ही करो" (यूहन्ना 2:5)। सेवकों ने वैसा ही पालन किया जैसा उसने उन्हें करने की आज्ञा दी थी। तभी उन्होंने अपनी आँखों के सामने एक बड़ा चमत्कार घटित होते देखा!

आज भी प्रभु यीशु मसीह आप से जो कुछ करने को कहें, उसी के अनुसार करें। तब आप अपने जीवन में चमत्कार देखेंगे। उन बातों को जाने दो जिन्हें वह आपको छोड़ने के लिए कहते हैं! वही करें जो आपको करने को कहा गया है! वह आपसे कभी भी वह काम करने के लिए नहीं कहेंगे जो आप नहीं कर सकते। क्योंकि वह आपकी पूरी स्थिति को अच्छी तरह से जानते हैं! जैसे एक माँ जानती है कि उसका बच्चा कितना बोझ उठा सकता है, आपका स्वर्गीय पिता भी अच्छी तरह जानता है कि आप कितना बोझ उठा सकते हैं।

कभी-कभी, वह जो बातें कहते हैं वह आपके विश्वास से परे हो सकती हैं! परन्तु विश्वास के साथ उनके अधीन हो जाएं। प्रभु यीशु मसीह ने न केवल वहां मौजूद सेवकों को पत्थर के बर्तनों में पानी भरने के लिए कहा, बल्कि उन्होंने यह भी कहा कि "अब निकालकर भोज के प्रधान के पास ले जाओ।" देखें, सेवकों ने यह कहकर बड़बड़ाया नहीं, "अभी अभी तो हमने इन पत्थर के घड़ों में पानी भरा है!" वह हमसे यह पानी सभी को पिलाने के लिए कह रहा है!" उन्हें उनकी बातों पर अत्यंत विश्वास था। यह उनका विश्वास ही था जिसने चमत्कार किया और मात्र पानी को दाखरस में बदल दिया!

प्रिय युवाओं, आपका विश्वास आपको चमत्कार देखने में मदद करेगा! संदेह मत करें, बस उनकी बातों पर पूरा विश्वास रखें। निश्चय ही, आप चमत्कार देखेंगे!

वह आपको स्मरण रखता है!

मेरे सभी प्यारे भाइयों व बहनों को नमस्कार। मैं प्रार्थना करता हूं कि आप प्रभु यीशु मसीह में और बढ़ते जाएं। आइए इस महीने के लेख पर गौर करें। इस महीने का विषय है "वह आपको स्मरण रखता है"। प्रभु कहते हैं, "मेरे विचार तुम्हारे विचार नहीं हैं; न ही तुम्हारे मार्ग मेरे मार्ग हैं" (यशायाह 55:8)।

मेरे प्रिय दोस्तों, ऐसी कई स्थितियाँ होती हैं जब अपने बारे में और दूसरों के बारे में हमारे विचार परमेश्वर से भिन्न होते हैं। सामान्य तौर पर, हम अपने शत्रुओं से घृणा और नफरत करते हैं। हालाँकि, परमपिता परमेश्वर ऐसा नहीं सोचते हैं। उदाहरण के लिए, लूका 15 में उड़ाऊ पुत्र ने उसकी सारी संपत्ति ले ली और उसे सुख विलास में उड़ा दिया। जब उसे होश आया तो वह वापस अपने पिता के पास गया। जब पिता ने उसे दूर से आते देखा, तो वह दयालु से भर गया, दौड़ कर, उसे गले लगाया और अपने पुत्र को चूमा। जब बड़े पुत्र ने देखा कि उसके पिता ने उसके छोटे भाई को स्वीकार कर लिया है, तो उसका दिल अपने पिता के खिलाफ हो गया। इसका कारण यह है कि वह अपने भाई को, जिसने गलती की थी, माफ नहीं कर सका और उसे स्वीकार नहीं कर सका। जब पिता और बड़े पुत्र ने छोटे पुत्र को देखा तो उनके नजरिए बिल्कुल अलग अलग थे।

दोस्तों! आइए हमारे बारे में सोचें। हम अपने जीवन में कितनी बार दूसरों के प्रति घृणा व शत्रुता दिखाते हैं? भले ही परमेश्वर उन्हें स्वीकार कर लें, हम नहीं कर सकते। इसका मुख्य कारण यह है कि हम परमेश्वर के हृदय को नहीं जानते और जानना भी नहीं चाहते। एक और उदाहरण है जब भविष्यवक्ता योना को लोगों को पश्चाताप का उपदेश देने के लिए नीनवे शहर में परमेश्वर द्वारा भेजा गया था। परन्तु योना तर्शीश को चला गया। बाइबल कहती है, "दुष्ट अपनी चाल चलन और अनर्थकारी अपने सोच-विचार छोड़कर यहोवा ही की ओर फिरे, वह उस पर दया करेगा, वह हमारे परमेश्वर की ओर फिरे और वह पूरी रीति से उसको क्षमा करेगा।" (यशायाह 55:7)। हाँ, दोस्तों, नीनवे के लोगों के बारे में परमेश्वर के विचार भिन्न थे। वह चाहते थे कि वे पश्चाताप करें। बल्कि, यह योना की इच्छा थी कि वे नाश हो जाएँ।

हाँ, परमेश्वर की इच्छा है कि दुष्ट लोग पश्चाताप करें और चंगे हो जाएँ। आइए हम प्रतिदिन परमेश्वर से अपना प्रेम हम पर बरसाने के लिए कहें ताकि हमें भी उनका दिव्य हृदय प्राप्त हो सके।

परमेश्वर के मन के अनुसार एक मनुष्य दाऊद की लापरवाही

प्रिय युवाओं! हम दाऊद पर ध्यान केंद्रित करते हुए जीवनी के इस खंड पर ध्यान देना जारी रखेंगे। पिछले महीने, हमने 'राजा दाऊद के शासनकाल' के बारे में सीखा। इस महीने, आइए देखें कि दाऊद ने अपनी लापरवाही के परिणामस्वरूप क्या खोया। दाऊद ने वह काम करके जो यहोवा की दृष्टि में बुरा था, यहोवा का क्रोध भड़काया जिस यहोवा ने यह कहा था, "मुझे एक मनुष्य, यिशै का पुत्र दाऊद, मेरे मन के अनुसार मिल गया है" (प्रेरितों 13:22)। इसका कारण राजा दाऊद की लापरवाही है!

आँखों की अभिलाषा

2 शमूएल 11:1 "जिस समय राजा लोग युद्ध करने को निकला करते हैं" से शुरू होता है। युद्ध के समय, जब राजाओं को युद्ध करना पड़ता था, तो राजा दाऊद ने अपने सेनापति योआब को युद्ध के लिए भेजा और खुद यरूशलेम में रुक गया। राजा दाऊद, जिसे अम्मोनियों के विरुद्ध युद्ध के मैदान में लड़ना था, युद्ध में नहीं गया, परन्तु लापरवाही से महल की छत पर इधर-उधर टहलता रहा।

जैसे ही राजा महल की छत पर टहल रहा था, उसकी नजर महल के पास रहने वाली बतशेबा नाम की एक खूबसूरत महिला पर पड़ी। उसने तुरंत भेजकर उस स्त्री के बारे में पूछताछ की और पता चला कि वह उसके एक सैनिक ऊरिय्याह की पत्नी थी। प्रभु की आज्ञा से अवगत होने के बावजूद कि "तू अपने पड़ोसी की पत्नी का लालच न करना, न ही अपने पड़ोसी की किसी वस्तु का लालच करना" (निर्गमन 20:17), वह आँखों की अभिलाषा से भर गया, उस स्त्री को लाने के लिए कहा, उसके साथ सोया और व्यवस्था का उल्लंघन किया।

अपनी गलती को छिपाने और उसे अपनी पत्नी बनाने के लिए, उसने योजना बनाई और युद्ध में बतशेबा के पति ऊरिय्याह को मार डाला, जो निर्दोष और समर्पित सैनिक था। तब दाऊद ने बतशेबा को बुलवा भेजा, और उसे अपनी पत्नी बनाया। इस प्रकार दाऊद ने यहोवा की दृष्टि में एक के बाद एक बहुत से बुरे काम किए, यहोवा के वचन की अवहेलना की, और अधिक बुराई की जिससे यहोवा अप्रसन्न हुए।

इससे प्रभु बहुत क्रोधित हुए, जिन्होंने तब नातान नबी को एक दृष्टांत के माध्यम से दाऊद का पाप की ओर ध्यान दिलाने के लिए भेजा। इसके अलावा, प्रभु ने दाऊद को यह कहते हुए श्राप दिया कि उसके कार्य के परिणामस्वरूप, "अब तलवार तेरे घर से कभी दूर न होगी, और उसकी पत्नियों के साथ भी ऐसा ही होगा।" तब दाऊद ने भारी मन से भजन 51 में लिखी क्षमा की प्रार्थना को गाया, अपने पाप को स्वीकार किया और पश्चाताप किया, और सर्वशक्तिमान परमेश्वर से क्षमा प्राप्त की।

लेकिन उस नबी ने कहा, "तो भी तूने जो इस काम के द्वारा यहोवा के शत्रुओं को तिरस्कार करने का बड़ा अवसर दिया है, इस कारण तेरा जो बेटा उत्पन्न हुआ है वह अवश्य ही मरेगा।" इसी प्रकार, यहोवा ने उस बच्चे को मारा जो ऊरिय्याह की पत्नी से दाऊद को उत्पन्न हुआ था, और बच्चा मर गया।

बाइबल राजा दाऊद के बारे में गवाही देती है: "दाऊद वह किया करता था जो यहोवा की दृष्टि में ठीक था और हित्ती ऊरिय्याह की बात के सिवाय और किसी बात में यहोवा की किसी आज्ञा से जीवन भर कभी न मुड़ा" (1राजाओं 15:5)।

प्यारे बच्चों! इस पद के अनुसार, "यदि तू ऐसा पुरुष देखे जो काम-काज में निपुण हो, तो वह राजाओं के सम्मुख खड़ा होगा; छोटे लोगों के सम्मुख नहीं" (नीतिवचन 22:29)। उन बातों की चौकसी करें जहाँ आपको सतर्क रहने की आवश्यकता है। प्रभु ने आप पर जो भरोसा रखा है, उसके साथ कभी विश्वासघात न करें। एक कहावत है कि "जब तू काम करें तब काम कर और जब तू खेलें तो खेलें"। जब तुम्हें पढ़ना चाहिए तब पढ़ और जब तुम्हें सोना चाहिए तब सो जा। पूरी रात फोन पर रहते हुए फेसबुक और व्हाट्सएप के जाल में फंसकर अपना कीमती जीवन न गंवाएं।

प्रिय युवाओं! जिस प्रकार दाऊद को अपनी लापरवाही के कारण प्रभु का क्रोध झेलना पड़ा, उसी प्रकार अपने भीतर की पवित्र आत्मा को दुःखी मत करो और जो कुछ आप अपनी आँखों से देखते हैं उसका लालच करके उस अभिषेक और अच्छे अवसर को मत गँवाएं जो आपको मिले हैं!

जहाज़ में नूह की सूधि ली गई

नूह, उसके परिवार तथा अन्य सभी जीवित प्राणियों और जानवरों को जहाज़ पर चढ़े हुए 150 दिन हो चुके थे। हालांकि जलस्तर में कोई गिरावट नहीं आयी। 40 दिनों की लगातार बारिश के बाद, नूह और उसके परिवार को चिंता हुई होगी कि उन्हें जहाज़ में और कितने दिन बिताने होंगे।

परमेश्वर ने धरती पर आँधी चलाई, और जल घटने लगा। जहाज़ अरारत के पहाड़ों पर टिका हुआ था। बाइबल कहती है कि नूह और उसका परिवार 1 वर्ष और 10 दिनों तक जहाज़ में एकांत में थे। परमेश्वर ने नूह और जितने जंगली पशु और घरेलू पशु उसके संग जहाज में थे, उन सभी की सुधि ली (उत्पत्ति 8:1)।

प्रिय युवाओं! क्या आप यह सोचकर चिंतित हैं, "मेरे जीवन में कोई सुधार नहीं हुआ है; मैं एक ही जगह फंस गया हूँ? क्या परमेश्वर मुझे भूल गए हैं? क्या उन्होंने मुझे छोड़ दिया है?" क्या जिस परमेश्वर ने नूह और उसके परिवार की सूधि ली वह आपकी सूधि नहीं लेगा? यीशु हमें आश्वासन देते हैं कि, हालाँकि एक माँ अपने दूध पीते बच्चे को भूल सकती है, वह हमें नहीं भूलेंगे। जब आप परमेश्वर के वचन का पालन करेंगे और अपने आप को उनके शक्तिशाली हाथ के नीचे विनम्र करेंगे, तो वह आपकी सूधि लेंगे।

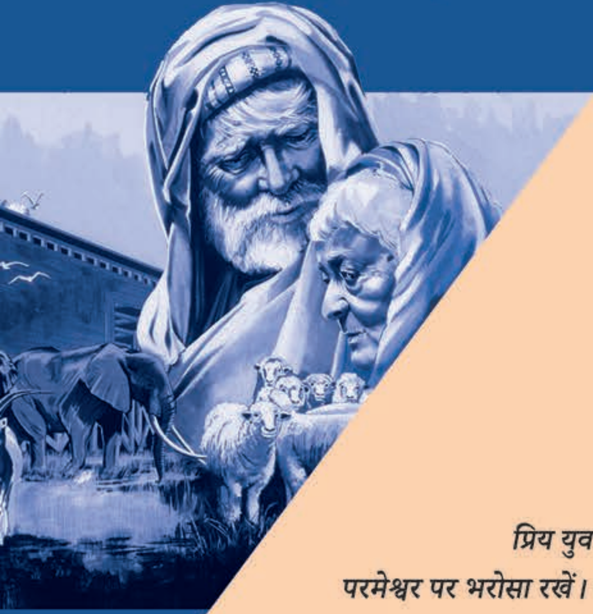

इस बात से अज्ञात कि परमेश्वर ने नियत समय के लिए हन्ना का गर्भ बंद कर दिया था, पनिन्ना ने हन्ना को तुच्छ दृष्टि से देखा, उसे उकसाया और उसका उपहास किया। दर्द व अपमान को सहन करने में असमर्थ, हन्ना परमेश्वर के मंदिर में गई, अपनी वेदना में रोई, अपने मन को उंडेल दिया, और परमेश्वर से एक मन्नत मांगी। प्रभु ने उसे स्मरण किया। हन्ना गर्भवती हुई और उसके एक पुत्र उत्पन्न हुआ, और उसने यह कहकर उसका नाम शमूएल रखा, कि मैंने यहोवा से माँगकर इसे पाया है। यहोवा ने हन्ना की सुधि ली, और उसके तीन और बेटे और दो बेटियां उत्पन्न हुईं।

प्रिय युवाओं! तिरस्कार व अपमान के बावजूद, परमेश्वर के समय की प्रतीक्षा करें। परमेश्वर पर भरोसा रखें। तब जिस परमेश्वर ने हन्ना को स्मरण किया, वह आपको भी स्मरण करेगा।

हन्ना के आँसू स्मरण किए गए!

हिजकिय्याह को उसकी मृत्यु शय्या पर स्मरण किया गया!

हिजकिय्याह एक घातक फोड़े से पीड़ित था और मरने के करीब था। जब यशायाह भविष्यद्वक्ता ने उससे कहा, "अपने घर को व्यवस्थित करो, क्योंकि तुम मर जाओगे और जीवित नहीं रहोगे," उसने अपना चेहरा दीवार की ओर किया और फूट-फूट कर रोने लगा, प्रार्थना करते हुए, "अब याद करो, हे परमेश्वर, मैं प्रार्थना करता हूं, मैं कैसे हूं तेरे साम्हने सच्चाई और सच्चे मन से चला, और जो तेरी दृष्टि में अच्छा है वही किया है।" यहोवा ने यशायाह से हिजकिय्याह से यह कहने को कहा, "मैं ने तेरी प्रार्थना सुनी है; मैं ने तेरे आंसू देखे हैं; मैं तुझे निश्चय चंगा करूंगा। और तेरी आयु पन्द्रह वर्ष और बढ़ा दूंगा। " जब अंजीर की एक गांठ फोड़े पर रखी गई, तो वह ठीक हो गया कि अपने घराने के विषय जो आज्ञा देनी हो वह दे; क्योंकि तू नहीं बचेगा, मर जाएगा।" तब उसने दीवार की ओर मुँह फेर, फूट फूटकर रोया, प्रार्थना करके कहा, "हे यहोवा! मैं विनती करता हूँ, स्मरण कर, कि मैं सच्चाई और खरे मन से अपने को तेरे सम्मुख जानकर चलता आया हूँ; और जो तुझे अच्छा लगता है वही मैं करता आया हूँ।" तब यहोवा ने यशायाह को यह वचन हिजकिय्याह के पास पहुँचाने को कहा, "कि मैंने तेरी प्रार्थना सुनी और तेरे आँसू देखे हैं; देख, मैं तुझे चंगा करता हूँ; परसों तू यहोवा के भवन में जा सकेगा। मैं तेरी आयु पन्द्रह वर्ष और बढ़ा दूँगा। "अंजीरों की एक टिकिया लो।" जब उन्होंने उसे लेकर फोड़े पर बाँधा, तब वह चंगा हो गया (2राजाओं 20:1-7)। प्रभु ने हिजकिय्याह की प्रार्थना को स्मरण किया और उसके जीवन में पन्द्रह वर्ष और बढ़ा दिये।

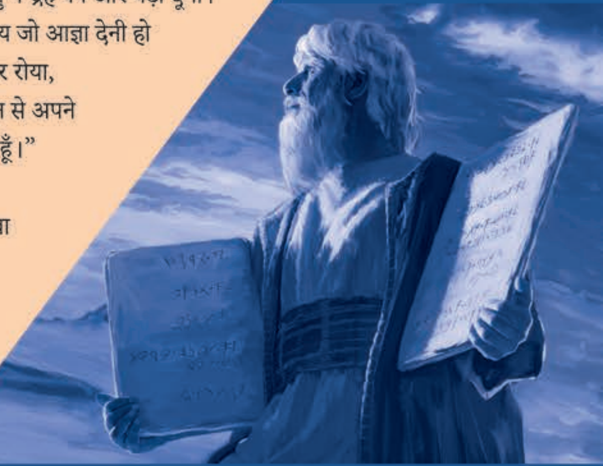

प्रिय युवाओं! क्या आप, आपके मित्र, या आपके रिश्तेदार किसी प्रकार की बीमारी से प्रभावित हैं या मृत्यु के कगार पर हैं? जिस परमेश्वर ने हिजकिय्याह को स्मरण रखा, वह आपको भी स्मरण रखेगा।

जब परमेश्वर से दस आज्ञाएँ प्राप्त करने के बाद मूसा को आने में देरी हुई, तो इस्राएल के लोगों ने एक सोने का बछड़ा बनाया और उसकी पूजा करने लगे। यहोवा इस्राएलियों पर क्रोधित हुआ और उसने मूसा से कहा, "तुम लोग तो हठीले हो; जो मैं पल भर के लिये तुम्हारे बीच होकर चलूँ, तो तुम्हारा अन्त कर डालूँगा" (निर्गमन 33:5)। मूसा ने परमेश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा, "और अब यदि मुझ पर तेरे अनुग्रह की दृष्टि हो, तो मुझे अपनी गति समझा दे, जिससे जब मैं तेरा ज्ञान पाऊँ तब तेरे अनुग्रह की दृष्टि मुझ पर बनी रहे। फिर इसकी भी सुधि कर कि यह जाति तेरी प्रजा है।" (निर्गमन 33:13) प्रभु ने कहा, "मेरे अनुग्रह की दृष्टि तुझ पर है" और उन्होंने उनकी सूधि ली। अत: लोग विनाश से बच गये।

प्रिय युवाओं! जब मूसा ने अपने लोगों के लिए परमेश्वर से प्रार्थना की, तो परमेश्वर ने उसकी प्रार्थना का उत्तर दिया और इस्राएलियों की सूधि ली। आपके लिए अपने देश के लिए जो पाप में डूबा हुआ है, प्रार्थना करना कितना आवश्यक है, ताकि परमेश्वर इसे स्मरण रखें?

इस्राएलियों को मूसा के कारण स्मरण किया गया!

प्रार्थना मार्गदर्शिका

नवंबर

2023

1. देशभर में स्कूल छोड़े हुए छात्रों की संख्या 12.53 लाख है। उनकी शिक्षा जारी रखने के लिए प्रार्थना करें।

2. भारत के लिए प्रार्थना करें, जो दुनियाभर के चावल निर्यात का 40% से अधिक योगदान देता है, चावल की कमी से बचने और खाद्य उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रार्थना करें।

3. अकेले 2021 में भारत में एक लाख, 64 हजार, 333 लोगों ने आत्महत्या की। प्रार्थना करें कि आत्महत्या की भावना हमारे देश से चली जाए।

4. आत्महत्या करने वालों में से 65% लोग 18 से 45 वर्ष की आयु के बीच के हैं। उन दुष्ट-आत्माओं के पूर्ण विनाश के लिए प्रार्थना करें जो युवा पीढ़ी को आत्महत्या के लिए प्रेरित करती हैं।

5. दहेज उत्पीड़न के कारण 23 हजार 179 लोगों ने आत्महत्या की है। प्रार्थना करें कि हमारे देश से दहेज क्रूरता पूर्णतः समाप्त हो जाये।

6. भारत में प्रतिदिन 82 लोगों की हत्या होती है। प्रार्थना करें कि हत्या की दुष्ट-आत्माएं बांधी जाएं।

7. प्रति घंटे 11 अपहरण की घटनाएं होती हैं। हर दिन 264 लोगों का अपहरण किया जाता है। अपहरण की घटनाएं रुकने के लिए प्रार्थना करें।

8. एक साल में लगभग 29 हजार लोगों की हत्या कर दी जाती है। हत्यारी दुष्ट-आत्माओं के पूर्ण विनाश के लिए प्रार्थना करें।

9. हत्यारे विचारों वाले लोगों के उद्धार तथा हत्या की रोकथाम के लिए प्रार्थना करें।

10. कई लोग संपत्ति, परिवार, धन, ख़राब रिश्ते, प्रेम विफलता आदि से संबंधित समस्याओं के कारण आत्महत्या करते हैं; उनके उद्धार व पश्चाताप के लिए प्रार्थना करें।

11. शैतान की उन चालों के विनाश के लिए प्रार्थना करें, जिनसे हत्या कर के द्वारा खून बहता है।

12. भारत में सीबीआई, एनआईए और ईडी अधिकारियों के उद्धार के लिए प्रार्थना करें।

13. जांच आयोग के दौरान परमेश्वर के शासन और अधिकारियों के लिए ईमानदारी और निष्पक्षता से काम करने के लिए प्रार्थना करें।

14. प्रार्थना करें कि 16 से 25 वर्ष की आयु के युवाओं को नशे की लत से पूरी तरह रोका जाए।

15. भारत में लगभग 10 करोड़ लोग नशीली दवाओं के सेवन के आदी हैं। उनके लिए प्रार्थना करें कि वे इस गुलामी से बाहर आएँ।

16. पंजाब भारत में नशीली दवाओं की खपत करने वाला शीर्ष राज्य है। इस राज्य के जाग्रति के लिए प्रार्थना करें।

17. दवाओं से होने वाली मौतों की रोकथाम के लिए प्रार्थना करें जो हृदय, पेट, फेफड़े, मस्तिष्क और स्मृति हानि जैसे दुष्प्रभावों का कारण बनती हैं।

18. भारत में नशीली दवाओं की तस्करी करने वाले माफिया गिरोहों को असमर्थ होने के लिए प्रार्थना करें।

19. कलीसिया के अगुओं, पादरियों और विश्वासियों के लिए नए अभिषेक एवं शक्ति से भरने के लिए प्रार्थना करें।

20. कलीसियाओं में देखे जाने वाले जातिगत विभाजन और मतभेदों के उन्मूलन के लिए प्रार्थना करें।

21. कलीसियाओं में बेदारी की बाधाओं को दूर करने और पवित्र आत्मा के उंडेले जाने के लिए प्रार्थना करें।

22. प्रार्थना करें कि प्रभु बेदारी में 5 वर्गों के सेवकों (प्रेरितों, प्रचारकों, चरवाहों, उपदेशकों और भविष्यवक्ताओं) का सामर्थ के साथ उपयोग करें।

23. प्रार्थना करें कि कलीसियाएँ पूरी दुनिया में सुसमाचार का प्रचार करने के मिशन को ईमानदारी से पूरा करें।

24. दुष्ट-आत्माओं के कार्यों और उस जादू टोना की शक्ति के विनाश के लिए प्रार्थना करें, जो कलीसियाओं और प्रभु के सेवकों के खिलाफ किया गया है।

25. भारत के 94.5 करोड़ मतदाताओं के लिए प्रार्थना करें कि वे अपना वोट सही तरीके से पंजीकृत करें।

26. प्रार्थना करें कि भारत के सभी 94.5 करोड़ मतदाता अपने क्षेत्र में सही व्यक्ति को चुनें।

27. आगामी 2024 के संसद चुनाव में प्रभु के दिव्य शासन और उस व्यक्ति के लिए प्रार्थना करें जिसे प्रभु निर्वाचित करना चाहते हैं।

28. प्रार्थना करें कि जो पार्टियाँ चुनाव की तैयारी कर रही हैं वे किसी भी अवैध गतिविधियों में शामिल न हों।

29. प्रार्थना करें कि मीडिया ग़लत आँकड़े प्रसारित करके लोगों को भ्रमित न करे।

30. चुनाव आयोग की निष्पक्ष कार्यप्रणाली के लिए प्रार्थना करें।

उस विशेष तिथि में दिए गए प्रार्थना बिंदुओं के लिए प्रार्थना करने के लिए प्रतिदिन एक मिनट का समय निकालें

Coffee with रिपोर्टर

वह स्त्री जिसे बारह वर्ष से ख़ून बहने की बीमारी थी

अनेकों गुमनाम लोग जो अपने कार्यों के लिए प्रसिद्ध थे, संपूर्ण बाइबल में देखे जाते हैं। उनमें से एक महिला थी जो अपनी बीमारी और अपनी पीड़ा के वर्षों के नाम से जानी जाती थी। वो वह स्त्री थी, जिसे बारह वर्ष तक खून बहता रहा। यीशु को व्यक्तिगत रूप से देखने से पहले ही, उसने उनके चमत्कारों के बारे में सुना था और उन पर पूरा भरोसा किया था। भले ही वह कमज़ोर थी, यीशु में उसके अटूट विश्वास के कारण उसे नया नियम में एक विश्वास की योद्धा के रूप में प्रतिष्ठित किया गया था। उसकी कहानी का उल्लेख बाइबल के पहले तीन सुसमाचारों में किया गया है (मत्ती 9:20-22; मरकुस 5:25-34; लूका 8:43-48)। यहां इस विश्वास की योद्धा के साथ एक काल्पनिक बातचीत दी गई है।

रिपोर्टर : जय मसीह की, बहन!

स्त्री : जय मसीह की!

रिपोर्टर: हमें अपने बारे में बताएं।

स्त्री: भाई, मैं बहुत ज्यादा खून बहने को रोग से पीड़ित थी। मैंने कई डॉक्टरों को दिखाया और मेरे पास जो कुछ भी था वह सब इलाज पर खर्च कर दिया। लेकिन मुझे किसी से कोई राहत या आराम की झलक भी नहीं मिली। इस बीमारी की गंभीरता एक या दो साल तक नहीं, बल्कि बारह साल तक रही। मैं जिस मार्ग से गुजरी वह् बेहद बोझिल था।

रिपोर्टर: इलाज खोजने में आपकी दृढ़ता निश्चित रूप से सराहनीय है। आपने आशा खोए बिना बारह वर्षों तक कष्ट कैसे सहन किया?

महिला: ओह! मैं उपचार ढूंढते-ढूंढते पूरी तरह थक गई थी। मेरी हालत के कारण, मैं किसी को छू नहीं सकती थी, और किसी ने मुझे छूने की हिम्मत नहीं की। यहां तक कि अगर मैं गलती से किसी व्यक्ति को या किसी चीज़ को छू भी लेती, तो वे स्पष्ट रूप से उस दिन के लिए अशुद्ध और अपवित्र हो जाते थे (लैव्यव्यवस्था 15:25-28)। इसलिए मैं मंदिर नहीं जा सकी, किसी उत्सव में शामिल नहीं हो सकी, या अपना घर भी नहीं छोड़ सकती थी। अकेलेपन का बोझ मेरी बीमारी से भी ज़्यादा भारी था। हर दिन, मैंने कुछ राहत पाने के लिए विभिन्न तरीकों की कोशिश की, लेकिन मेरे सभी प्रयास असफल रहे। मेरे अपने लोग मुझसे नफरत करते थे। मैं एक निषिद्ध स्थिति में थी, हर दिन आँसुओं से घिरी रहती थी।

स्त्री: मैंने अपने रिश्तेदारों और अपने गांव के लोगों को यह कहते सुना कि यीशु ने कोढ़ियों को चंगा किया, अंधों को देखने

और बहरों को सुनने की शक्ति दी। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने कई लाइलाज बीमारियों को ठीक किया है। यह सुनकर मुझे आशा जगी कि मैं भी सुखी जीवन जी सकती हूँ। मुझे यह जानकर आश्चर्य हुआ कि जो लोग उनके वस्त्र को छूते थे वे तुरंत ठीक हो जाते थे (मरकुस 6:56)। मुझे एहसास हुआ कि उनमें किसी भी स्वास्थ्य समस्या को ठीक करने की शक्ति है। इसलिए मैंने हर कीमत पर उनसे मिलने और चंगाई पाने की ठान ली थी।

रिपोर्टर: आपने यीशु से मिलने का प्रबंधन कैसे किया? क्या आपने उन्हें अपने घर आमंत्रित किया?

स्त्री: मेरा दिल व्यक्तिगत रूप से यीशु से मिलने के लिए उत्सुक था। लेकिन चूंकि मुझे सभी ने 'अशुद्ध' महिला करार दिया था, इसलिए मैं उनसे संपर्क नहीं कर सकी। यदि यीशु मेरे घर भी आएं, तो लोग उन्हें अनुमति नहीं देंगे। वे उन्हें वैसे ही परेशान करते जैसे उन्होंने तब किया था जब यीशु ने पवित्र दिन पर कुबड़ी महिला को चंगा किया था।

मुझे आम जगहों पर जाने से रोक दिया गया था, इसलिए यदि कोई मुझे देख लेगा तो क्या होगा? क्या मुझे पत्थर मारकर मार डाला जायेगा? ये विचार मेरे मन में चल रहे थे। लेकिन शुक्र है कि यीशु लोगों के एक विशाल समूह से घिरे हुए थे। इसलिए मैंने उनके बीच से प्रवेश करने और कम से कम उनके वस्त्र की छोर को छूने का फैसला किया।

रिपोर्टर: आपकी सूझबूझ शानदार है! क्या हुआ उसके बाद?

स्त्री: सब कुछ बिल्कुल वैसा ही हुआ जैसा मैंने सोचा था। जैसे ही मैंने यीशु के वस्त्र को छुआ, उनकी शक्ति के कारण मेरा खून बहना बंद हो गया। मेरी ख़ुशी का ठिकाना नहीं था, और मैं अपनी ख़ुशी रोक नहीं पा रही थी। मैं उछलकर चिल्लाना चाहती थी। लेकिन, सबके द्वारा जाना जा चुकी स्थिति के कारण, मुझे डर था कि मुझे हर किसी के द्वारा अपमानित किया जाएगा, इसलिए मैंने खुद को अलग कर लिया। जैसे ही मैंने उस स्थान को छोड़ने का प्रयास किया, यीशु ने प्रश्न किया, "मेरे वस्त्रों को किसने छुआ?" मैं हिल गई और मेरा दिल जोर-जोर से धड़कने लगा। मैंने उनके सामने सब कुछ कबूल कर लिया। तब यीशु ने मेरी ओर देखकर कहा, 'तेरे विश्वास ने तुम्हें चंगा कर दिया है; शांति से जा, और अपने कष्टों से मुक्त हो जा।' तभी मेरे दिल में खुशी व शांति भर गई। यीशु से मिलने के बाद, मेरा जीवन खुशी से खिल उठा, और मेरे दुःख के आँसुओं की जगह खुशी के आँसुओं ने ले ली।

रिपोर्टर: क्या अद्भुत गवाही है! बहन आपको धन्यवाद!

स्त्री: धन्यवाद भाई; मैं अब चली जाऊँगी।

रिपोर्टर: विश्वास उस भरोसे में निहित है जो हमें अनदेखी चीज़ों पर है। भले ही उसे अपना चमत्कार प्राप्त नहीं हुआ था, फिर भी उसे परमेश्वर पर पूरा भरोसा था, और इससे 'दिव्य चंगाई' प्राप्त हुई। अपनी बीमारी के दर्द, निराशा और हीन भावना से पीड़ित होने के बावजूद महिला ने उन्हें छूने में संकोच नहीं किया। क्या बहादुरी है! कई डॉक्टरों से सलाह लेने के बाद भी उसने उम्मीद नहीं खोई। हमें उसकी दृढ़ता और विश्वास से सीखना चाहिए।

प्रिय युवाओं! एक अचानक सुनी गवाही खून बहने के रोग से पीड़ित इस स्त्री के जीवन में चंगाई व चमत्कार का कारण बन गई। इसी तरह, जब आप अपनी गवाही अपने दोस्तों के साथ साझी करेंगे, तो उन्हें भी कई गुना आशीष मिलेगी।

परामर्श में महान

चट्टान से पानी

इस "परामर्श में महान" श्रृंखला में, हम बाइबल में उन रणनीतियों के बारे में पढ़ रहे हैं जो प्रभु ने इस्राएल के लोगों के लिए नियोजित की थीं जब वे लड़ाईयों एवं संघर्षों का सामना कर रहे थे और जब वे संकट में थे। इस महीने, आएं उस चमत्कार पर नज़र डालें जो उस समय हुआ जब इस्राएल के लोग पीने के लिए पानी न होने के कारण बहुत परेशान थे।

जब से प्रभु ने इस्राएल के लोगों को मिस्र से बाहर निकाला, तब से उन्होंने उनके लिए अनगिनत चमत्कार किए। उनमें से उल्लेखनीय हैं लाल सागर का विभाजन, मारा के पानी को मीठा करना और स्वर्ग से मन्ना की बारिश होना। इसके बाद, निर्गमन 17 में प्रभु के निर्देश के अनुसार, इस्राएलियों ने सीन के जंगल को छोड़ दिया और रपीदीम में डेरा डाला।

जो लोग लंबी दूरी तय करके थके-हारे आये थे, उनकी प्यास बुझाने के लिए पानी नहीं था। इस कारण इस्राएली बहुत क्रोधित हुए और मूसा पर बुड़बुड़ाने लगे। तब मूसा ने परमेश्वर को पुकार कर कहा, “इन लोगों से मैं क्या करूँ? ये सब मुझे पथरवाह करने को तैयार हैं” (निर्गमन 17:4)।

तब यहोवा ने इस्राएलियों के इस संकट और मूसा की दुर्दशा को दूर करने के लिये मूसा को अच्छी सम्मति दी। अर्थात्, “इस्राएल के वृद्ध लोगों में से कुछ को अपने साथ ले ले; और जिस लाठी से तूने नील नदी पर मारा था, उसे अपने हाथ में लेकर लोगों के आगे बढ़ चल। देख मैं तेरे आगे चलकर होरेब पहाड़ की एक चट्टान पर खड़ा रहूँगा; और तू उस चट्टान पर मारना, तब उसमें से पानी निकलेगा जिससे ये लोग पीएँ।” तब मूसा ने इस्राएल के वृद्ध लोगों के देखते वैसा ही किया।” (निर्गमन 17:5, 6)

परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार, कुछ वृद्ध लोगों को साथ लेकर मूसा उस हाथ में लाठी पकड़े हुए होरेब पर्वत पर गया, जिस लाठी का उपयोग उसने पहले नील नदी पर वार करने के लिए किया था। वहाँ उसने इस्राएल के वृद्ध लोगों के साम्हने अपने हाथ की लाठी से चट्टान पर मारा। तभी चट्टान में दरार आ गई और भारी मात्रा में पानी बाहर निकल आया। इसलिए, इस्राएलियों ने इसका उपयोग अपनी प्यास बुझाने के लिए किया।

प्रिय युवा लोगों, जब आप संघर्ष या संकट के बीच में हों, तो इस्राएल के लोगों की तरह लोगों के साथ शिकायत या बहस न करें, बल्कि मूसा की तरह प्रभु से प्रार्थना करें जिसने अब तक आपका अद्भुत नेतृत्व किया है। वह हमारी शाश्वत चट्टान है। वह ही है जो हमें मदद भेजता है। उससे हमें सभी प्रकार के आशीषें प्राप्त होंगी। प्रभु, अनंन्त चट्टान की ओर देखें। आपकी सभी जरूरतें पूरी होंगी!

पतमुस टापू

प्रिय युवाओं! 'बाइबल में बताए गए स्थान' विषय के अंतर्गत, हर महीने आपको बाइबल में वर्णित कुछ देशों और उनके विशेष शहरों के बारे में बहुत सारी रोचक जानकारी पढ़ने और सीखने को मिलती है!

हालाँकि यह बताया गया स्थान उन कई देशों जितना लोकप्रिय नहीं है जिन्हें हमने पहले देखा है, यह उन सभी लोगों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है जो बाइबल से प्यार करते हैं। हाँ! वह स्थान है "पतमुस नामक टापू"।

परिचय:

• पतमुस टापू एजियन सागर में एक यूनानी टापू है। यह डोडेकेनीज़ परिसर के सबसे उत्तरी द्वीपों में से एक है।

• यीशु के शिष्यों में से एक, प्रेरित यूहन्ना ने मसीह का प्रचार करने के लिए कई कष्ट सहे। फिर उन्हें पतमुस नामक इस टापू पर ले जाया गया, जो मौत की सज़ा देने के बराबर था।

• ठीक वहीं जहां उन्होंने सोचा कि उनका जीवन समाप्त हो गया है, उन्हें बाइबल की आखिरी पुस्तक, प्रकाशितवाक्य में पाए गए दर्शन प्राप्त हुए।

"मैं यूहन्ना, जो तुम्हारा भाई, और यीशु के क्लेश, और राज्य, और धीरज में तुम्हारा सहभागी हूँ, परमेश्वर के वचन, और यीशु की गवाही के कारण पतमुस नामक टापू में था।" (प्रकाशितवाक्य 1:9)

मुख्य विशेषताएं:

• यह यूनानी टापू पतमुस पृथ्वी पर सबसे पवित्र स्थलों में से एक है।

• यह प्राकृतिक सुंदरता का स्थान है। यहां कई दिलचस्प जगहें हैं।

• यहाँ "सर्वनाश की गुफा" सबसे आकर्षक स्थानों में से एक है।

• इसी गुफा से यूहन्ना को महान प्रकाशनों को प्राप्त किया।

• इसके अलावा, इस सदी की शुरुआत में यूनेस्को द्वारा इसे विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया था।

प्रिय युवाओं! यूहन्ना के लिए, जो उस घड़ी तक आ गया था जहां उसकी सेवा और जीवन समाप्त हो गया था, प्रभु के द्वारा दिए गए दर्शन एक खजाना थे जिसे कोई भी ले नहीं सकता था। क्या आपको अब भी लगता है कि आपका जीवन ख़त्म हो गया है? हिम्मत रखें! जिसने यूहन्ना की चमत्कारिक ढंग से अगुआई की वह आपके साथ भी अद्भुत ढंग से व्यवहार करेगा।

हर पाँचवाँ सप्ताह रविवार को हम युवाओं के लिए रिवाइवल इग्नाइटर्स फ़ेलोशिप का आयोजन कर रहे हैं, जिसे निम्नलिखित तारीखों [31/12/2023] पर जीसस रिडीम्स मिनिस्ट्रीज़ यूट्यूब चैनल पर प्रसारित किया जा रहा है। अधिक जानकारी के लिए कॉल करें। नीचे दिए गए नंबर

YouTube Jesus Redeems - Hindi

Comforter DIGITAL CHANNEL www.comfortertv.com

संपर्क संख्या : +919750955548

Revival IGNITERS Monthly Fellowship

इग्नाइटर्स यूथ फ़ेलोशिप एक जगह है जहां युवा अपनी आध्यात्मिकता को प्रज्वलित करते हैं जीवन की गहन सच्चाइयों की खोज करें बाइबल, और प्रार्थना करने में शक्ति पाएँ एक समूह के रूप में देश।आपका स्वागत है
इस फ़ेलोशिप में शामिल होने और बढ़ने के लिए मज़बूत। चलो भी! अपने आप को मजबूत करो,और दूसरों को मजबूत करने के लिए तैयार हो जाइये !

हर पहले रविवार

Mumbai – Dharavi
Timing: 5.00 PM- 7.30 PM
World Revival Prayer Centre
2nd Floor, Above Balakrishna
Farsan Mart, Opp. Apna Restaurant,
Near Kamarajar School,
90 Feet Road,
9004882470

हर दूसरे रविवार

Mumbai-Bhandup
Timing: 4 PM – 6.30 PM
Bright High School
Village Road, Bhandup (W)
Mumbai – 400078
(Walkable Distance from
Nahur Rly.Station)
9004882470

हर चौथे रविवार

Mumbai-Malad
Timing: 4.00 PM – 6.00 PM
Bethel Ground Floor
305/E, Mith Chauky,
Marve Road,
Malad (W)
9664050567 | 9619996976